Dainik Bhaskar (Indore), 23rd July 2025, Page-03

सस्टेनेबिलिटी और हेल्थ केयर में IIT इंदौर शुरू करेगा दो नए कोर्स

प्रवेश परीक्षा से दिए जाएंगे एडमिशन, संस्थान का मेहता फैमिली स्कूल से हुआ एमओयू

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर ने सस्टेनेबिलिटी और हेल्थकेयर क्षेत्र में दो नए स्कूल शुरू करने की तैयारी की है। इन कोर्सेस के लिए मंगलवार को मेहता फैमिली फाउंडेशन के साथ दिल्ली में एमओयू साइन किया है। प्रबंधन के अनुसार मास्टर्स ऑफ टेक्नोलॉजी में 40, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी में 25 और पीएचडी में 25 सीटें रहेंगी। इनमें एडमिशन प्रवेश परीक्षा से दिए जाएंगे।

आईआईटी इंदौर और मेहता फैमिली फाउंडेशन मिलकर आईआईटी इंदौर में मेहता फैमिली स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग की स्थापना करने जा रहे हैं। ये स्कूल एआई-संचालित स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकियों के लिए एक प्रमुख रिसर्च और एकेडमिक सेंटर रहेगा। इसका उद्देश्य किफायती और सुलभ चिकित्सा मुहैया करवाना है। प्रबंधन का दावा है चिकनगुनिया और डेंगू जैसी बीमारियों के लिए डाटा-आधारित सॉल्यूशन तलाशने और रोगाणु प्रतिरोध (एएमआर) के बढ़ते खतरे से निपटने पर जोर रहेगा। इसमें एक अत्याधुनिक जैव-विनिर्माण केंद्र की स्थापना की भी योजना बनाई है। एमओयू के दौरान मेहता फाउंडेशन के संस्थापक राहुल मेहता, आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर सुहास जोशी, पड्र्यू यूनिवर्सिटी के प्रो. अनंत ग्राम, कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी सैन डिएगो के प्रो. शंकर सुब्रह्मण्यम, आईआईटी गुवाहाटी के प्रो. परमेश्वर के. अय्यर और आईआईएसईआर भोपाल के निदेशक प्रोफेसर गोवर्धन दास आदि मौजूद रहे।

बैटरी टेक्नोलॉजी से वाटर एंड क्लाइमेट तक की रिसर्च

मेहता फैमिली स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी एक परिवर्तनकारी शैक्षणिक और अनुसंधान केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जो मौजूदा दौर की चुनौतियों पर केंद्रित होगा। इसमें एनर्जी सिस्टम एंड बैटरी टेक्नोलॉजी, इन्वायरन्मेंटल इकोनॉमिक्स एंड इन्वायरन्मेंटल लॉ और वाटर एंड क्लाइमेट स्टडीज पर रिसर्च की जाएगी। ये स्कूल अगले सेशन से शुरू होगा।